आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार
देहरादून (उत्तराखण्ड)
मंगलवार 24.02.2026
समय 1305

मुख्य समाचार :–

- केंद्र सरकार ने सभी तरह के आतंकवाद की रोकथाम और आतंकी गतिविधियों को धन मुहैया कराने के खिलाफ नई राष्ट्रीय आतंकवाद विरोधी नीति और रणनीति– प्रहार का अनावरण किया।
- उत्तरकाशी स्थित निम और पहलगाम स्थित जिम की संयुक्त टीम ने दुनिया की सबसे ऊंची माउंट अकोंकागुआ पर तिरंगा फहराया।
- नीलकंठ महादेव मंदिर क्षेत्र में 500 वाहनों की क्षमता वाली बहुमंजिला पार्किंग और दो बेड के आकस्मिक स्वास्थ्य केंद्र की स्थापना को सरकार ने मंजूरी प्रक्रिया में आगे बढ़ाया।
- रुद्रप्रयाग के रतूड़ा स्थित राजकीय कन्या उच्च प्राथमिक विद्यालय, को जिले का पहला पर्यावरण अनुकूल विद्यालय घोषित किया गया।

नई राष्ट्रीय आतंकवाद विरोधी नीति

केंद्र सरकार ने सभी तरह के आतंकवाद की रोकथाम और आतंकी गतिविधियों को धन मुहैया करने के खिलाफ नई राष्ट्रीय आतंकवाद विरोधी नीति और रणनीति– प्रहार का अनावरण किया। यह रणनीति आतंकवाद के बढ़ते खतरों से निपटने के लिए एक व्यापक व्यवस्था प्रस्तुत करती है। इसमें आतंकवाद को रोकने और उसका मुकाबला करने के लिए सक्रिय दृष्टिकोण अपनाया गया है। मंत्रालय ने बताया है कि हालांकि खतरों का स्वरूप लगातार बदल रहा है और नई चुनौतियां सामने आ रही हैं, फिर भी देश सभी तरह के आतंकवाद का विरोध करने के लिए दृढ़ संकल्पित है।

आरोहण

उत्तरकाशी स्थित नेहरू पर्वतारोहण संस्थान और पहलगाम स्थित जवाहर पर्वतारोहण एवं शीतकालीन खेल संस्थान की संयुक्त टीम ने एशिया महाद्वीप के बाहर दुनिया की सबसे ऊंची माउंट अकोंकागुआ पर तिरंगा फहराया है। इस अभियान का उद्देश्य भारत और दक्षिण अमेरिका के बीच पर्वतारोहण सहयोग को सुदृढ़ करना और भारतीय पर्वतारोहण प्रशिक्षकों के कौशल व दक्षता को बढ़ाना था।

टीम बीते 2 फरवरी को उत्तरकाशी से रवाना हुई थी, जिसे 5 फरवरी को नई दिल्ली से रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने फ्लैग ऑफ कर दक्षिण अमेरिका के लिए भेजा था। छह सदस्यीय दल ने पहले माउंट बोनेट की 5050 मीटर ऊंची चोटी पर अभ्यास किया और फिर रविवार को माउंट अकोंकागुआ की 6962 मीटर ऊंची चोटी पर सफल आरोहण किया।

इस दल में नेहरू पर्वतारोहण संस्थान के प्रभारी प्रधानाचार्य कनर्ल हेमचंद्र सिंह के नेतृत्व में उप प्रधानाचार्य कैप्टन जी संतोष कुमार, प्रशिक्षक दीप बहादुर शाही, विनोद गुसाईं, नायब सूबेदार भूपिंदर सिंह और जवाहर पर्वतारोहण संस्थान के हवलदार रमेश कुमार शामिल थे।

राष्ट्रीय गोलमेज सम्मेलन

नई दिल्ली के भारत मंडपम में आज से भारत निर्वाचन आयोग और राज्य निर्वाचन आयुक्तों का राष्ट्रीय गोलमेज सम्मेलन आयोजित हो रहा है। यह गोलमेज सम्मेलन 27 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद हो रहा है। पिछला सम्मेलन वर्ष 1999 में हुआ था। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार सम्मेलन की अध्यक्षता करेंगे। इस अवसर पर निर्वाचन आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी उपस्थित हैं। सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के राज्य निर्वाचन आयुक्त अपने कानूनी और तकनीकी विशेषज्ञों के साथ सम्मेलन में भाग लेंगे। इसके अलावा, सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य चुनाव अधिकारी भी सम्मेलन में शामिल होंगे।

बैठक

पौड़ी जिला के विकास भवन सभागार में मुख्य विकास अधिकारी गिरीश गुणवंत की अध्यक्षता में एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में रोजगार सृजन, स्वरोजगार को बढ़ावा देने, विभागीय समन्वय मजबूत करने तथा लंबित कार्यों में तेजी लाने पर विशेष जोर दिया गया।

श्री गुणवंत ने खंड विकास अधिकारियों को निर्देश दिए कि मनरेगा के अंतर्गत निर्धारित लक्ष्यों तथा सारा योजना के स्वीकृत कार्यों को जल्द पूरा करते हुए वित्तीय और भौतिक प्रगति सुनिश्चित की जाए। उन्होंने स्वयं सहायता समूहों को सीसीएल ऋण स्वीकृत और वितरित कर उनके व्यवसाय प्रारंभ कराने, रेशम और डेयरी योजनाओं में विभागीय समन्वय बढ़ाने तथा कृषि, उद्यान और पशुपालन विभागों के साथ ब्लॉक स्तर पर बैठक कर ठोस कार्ययोजना लागू करने के निर्देश भी दिए।

मुख्य विकास अधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियों को मार्च माह तक कार्यों में स्पष्ट प्रगति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने जॉब कार्डों की स्थिति तथा लाभार्थियों के सत्यापन की समीक्षा भी की।

तैयारियां

कुमाऊँ मंडल में वनाग्नि काल को देखते हुए वन विभाग ने सभी एहतियाती तैयारियां पूरी कर ली हैं।

कुमाऊँ के मुख्य वन संरक्षक, डॉ. तेजस्विनी अरविंद पाटिल ने आकाशवाणी को बताया कि वनाग्नि की घटनाओं की रोकथाम के लिए जनसहभागिता पर विशेष जोर दिया जा रहा है। संवेदनशील वन क्षेत्रों, विशेषकर चीड़ बहुल इलाकों में ग्राम वनाग्नि प्रबंधन समितियों का शत–प्रतिशत गठन कर लिया गया है।

उन्होंने बताया कि गत 15 फरवरी से मंडल स्तर पर सभी वन प्रभागों द्वारा वनाग्नि संबंधी नियमित रिपोर्टिंग शुरू कर दी गई है। डॉ. पाटिल ने पर्वतीय क्षेत्रों की महिलाओं से अपील की है कि वनाग्नि बुझाने के दौरान वे सिंथेटिक कपड़े न पहनें और आवश्यक सावधानियां बरतें।

व्यवस्था सुदृढीकरण

पौड़ी गढ़वाल में स्थित नीलकंठ महादेव मंदिर क्षेत्र में आधुनिक बहुमंजिला पार्किंग और दो बेड के आकस्मिक स्वास्थ्य केंद्र की स्थापना की दिशा में सरकार ने महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया है। प्रस्तावित बहुमंजिला पार्किंग में 500 से अधिक वाहनों के खड़े होने की व्यवस्था की जाएगी, जिसमें 300 से अधिक चारपहिया और 200 से अधिक दोपहिया वाहन शामिल होंगे। परियोजना को प्रशासनिक और वित्तीय स्वीकृ ति की प्रक्रिया में आगे बढ़ाया गया है। एक रिपोर्ट–

01 बाइट– वॉयस कास्ट, सेकेण्ड

पार्किंग भवन भूतल सहित कुल चार स्तर का होगा और इसे आधुनिक इंजीनियरिंग मानकों के अनुरूप विकसित किया जाएगा। इससे तीर्थयात्रा के दौरान यातायात दबाव कम करने और जाम की समस्या से राहत मिलने की उम्मीद है। गौरतलब है कि लंबे समय से अव्यवस्थित पार्किंग इस क्षेत्र की प्रमुख समस्या रही है।

वहीं, पार्किंग परिसर में दो बेड का आकस्मिक स्वास्थ्य सहायता केंद्र भी स्थापित किया जाएगा, ताकि दूर–दराज से आने वाले श्रद्धालुओं को आवश्यकता पड़ने पर तुरंत चिकित्सा सुविधा मिल सके। इसके साथ ही अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए प्रतीक्षालय और विश्राम कक्ष की व्यवस्था भी प्रस्तावित है। परियोजना को प्रशासनिक और वित्तीय स्वीकृति की प्रक्रिया में आगे बढ़ाया गया है। आवास सचिव डॉ० आर० राजेश कुमार ने कहा कि धार्मिक स्थलों पर श्रद्धालुओं को बेहतर यातायात व्यवस्था, सुरक्षित पार्किंग और आपात चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। अंतिम स्वीकृति मिलते ही निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा। आकाशवाणी देहरादून के लिये समाचार कक्ष से अमित सुन्द्रियाल

नीलकंठ महादेव

सरकार प्रदेश के प्रमुख धार्मिक स्थलों पर श्रद्धालुओं की लगातार बढ़ती संख्या को देखते हुए आधारभूत सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण पर विशेष बल दे रही है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशों के क्रम में पौड़ी गढ़वाल स्थित नीलकंठ महादेव मंदिर में निर्माणाधीन बहुमंजिला पार्किंग की प्रगति की समीक्षा के लिए देहरादून में आवास सचिव डॉ. आर. राजेश कुमार ने बैठक की।

डॉ. कुमार ने बताया कि प्रस्तावित पार्किंग में 300 से अधिक चारपहिया तथा 200 से अधिक दोपहिया वाहनों के पार्किंग की व्यवस्था की जाएगी। उन्होंने कहा कि इस सुविधा के शुरू होने से न केवल यातायात का दबाव कम होगा, बल्कि तीर्थ सीजन के दौरान अव्यवस्था और जाम की समस्या से भी राहत मिलेगी।

पर्यावरणीय व आधुनिक शिक्षा

रुद्रप्रयाग के रतूड़ा स्थित राजकीय कन्या उच्च प्राथमिक विद्यालय, को जिले का पहला पर्यावरण अनुकूल विद्यालय घोषित किया गया है, जहाँ प्लास्टिक का उपयोग पूर्णतया प्रतिबंधित कर दिया गया है। वर्ष 2023 में इस विद्यालय का चयन प्लान इंटरनेशनल इंडिया के अंतर्गत किया गया था। इस कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को पर्यावरण के प्रति जागरूक बनाना तथा स्वच्छता के माध्यम से स्वस्थ समाज का निर्माण करना है।

विद्यालय में प्रतिदिन एक पीरियड पर्यावरण शिक्षा के लिए निर्धारित किया गया है। इसमें वर्षा जल संरक्षण, ई–वेस्ट प्रबंधन, योगाभ्यास द्वारा शारीरिक विकास, आत्म–सुरक्षा से आत्मनिर्भरता, किचन गार्डन तथा सिंगल यूज़ प्लास्टिक से बचाव जैसे विषयों की जानकारी दी जा रही है। साथ ही, विद्यालय में पारंपरिक ‘ए फॉर एप्पल’ की पद्धति के स्थान पर स्थानीय परिवेश से जुड़े उदाहरणों के साथ ‘ए फॉर एवलांच’ जैसी शिक्षण पद्धति अपनाई जा रही है।

स्थापना दिवस

आज चमोली जिला का स्थापना दिवस है। इसी दिन वर्ष 1960 में चमोली को पौड़ी गढ़वाल जिला से अलग कर एक पूर्ण जिला के रूप में स्थापित किया गया था। इससे पूर्व वर्तमान चमोली क्षेत्र, पौड़ी गढ़वाल की एक तहसील के रूप में शामिल था। 24 फरवरी 1960 को इसे पृथक कर नए जिले का गठन किया गया।

चमोली जिला उत्तराखंड राज्य के गढ़वाल मंडल में हिमालय की गोद में बसा है और अपने प्राकृतिक सौंदर्य, धार्मिक स्थलों तथा समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के लिए प्रसिद्ध है। जिले में स्थित बद्रीनाथ मंदिर, हेमकुंड साहिब और फूलों की घाटी जैसे प्रमुख तीर्थ एवं पर्यटन स्थल इसे न केवल प्रदेश, बल्कि देश और विदेश के पर्यटकों के लिए भी आकर्षण का केंद्र बनाते हैं।

खाद्य पदार्थ जांच

होली पर्व को देखते हुए खाद्य सुरक्षा विभाग ने पौड़ी जिले में मिलावटखोरी के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया। निरीक्षण के दौरान पौड़ी नगर क्षेत्र से दुग्ध उत्पाद, मिठाई, सरसों तेल और जूस सहित कुल 13 नमूने लेकर उन्हें जांच के लिए राजकीय खाद्य विश्लेषण प्रयोगशाला रुद्रपुर भेजा गया। इस दौरान मिठाई विक्रेताओं को स्वच्छता मानकों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश भी दिए गए।

सहायक आयुक्त, खाद्य सुरक्षा, पी.सी. जोशी ने बताया कि बाहरी क्षेत्रों से आने वाले दुग्ध उत्पादों से संबंधित वाहनों की भी जांच की गई। इसी क्रम में आनंदा और मदर डेयरी ब्रांड के दूध तथा पनीर के नमूने गुणवत्ता परीक्षण के लिए भेजे गए। इसके अलावा नगर की विभिन्न मिठाई दुकानों का निरीक्षण कर मिठाइयों के नमूने भी जांच के लिए संग्रहित किए गए।